दृष्टि The Vision

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*

DTVF/19(JS)–ESY-E3

अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Devendra Prakash Meena **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** * 7102

Center & Date: DL, 04/08/19 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 1134510

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: **125 × 2 = 250**

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: **125 × 2 = 250**

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION–A

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.
2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.
3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.
4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

खंड–B / SECTION–B

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।
   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.
2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।
   Ideals in politics are required as well as neglected.
3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।
   Equals should be treated equally and unequals unequally.
4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।
   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड–A / SECTION–A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।

   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.

2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।

   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.

3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।

   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.

4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।

   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है, जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।

'प्रौद्योगिकी' यह एक शब्द मात्र नहीं अपितु एक सदियों पुरानी परम्परा तथा सुखद भविष्य को अपने में समेटे हुये है। इस परम्परा में मानव ~~जीवन~~ सभ्यता की तमाम आकांक्षाओं की उपलब्धि के साथ सुखमय प्राप्ति के अवसरों को भी ~~समेटा~~ समाहित किया गया है। प्रौद्योगिकी में वह क्षमता है, जो मानव मात्र के विकास को निम्नता से उच्चता, असमानता से समता, ~~केन्द्रि~~ केन्द्रीकृत से विकेन्द्रित, क्षणिक से संधारणीय तथा पार्थिवय से ~~संघ~~ सह अस्तित्व में परिवर्तित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कर सकता है। किन्तु सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वे क्या आकांक्षाएं है, जो मानव सभ्यता इस प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरा करना चाहती है? क्या वास्तव में ये पूर्ण हो सकती है? हमें किन चुनौतियों से बचने की आवश्यकता है? आदि प्रश्न इस संदर्भ में विचारणीय है।

सर्वप्रथम विश्लेषण योग्य है कि मानव सभ्यता की आकांक्षाएँ क्या क्या है? इन आकांक्षाओं में मानव जीवन की गुणता में सुधार सबसे बड़ी आकांक्षा है। प्रत्येक मनुष्य के पास उसकी मौलिक सुविधाओं की पहुँच आवश्यक एवं अनिवार्य है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से मानव की मूलभूत आवश्यकताएँ भोजन, वस्त्र, आवास, स्वच्छ पेयजल स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा, आदि की पूर्ति संभव है।

एक अन्य महत्वपूर्ण अपेक्षा, जो प्रौद्योगिकी के द्वारा संभव है, वह है- दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंच स्थापित करना। किसी भी समाज में एक हिस्सा भौगोलिक वंचना का शिकार होता है, ऐसे में तकनीकी के माध्यम से इस वंचना को दूर किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हस्तक्षेप से शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास जैसी सामाजिक अवसंरचनाएँ उपलब्ध कराई जा सकती है। वित्तीय समावेशन, तथा सूचना के तक पहुंच के द्वारा गरीबी पर प्रहार किया जा सकता है।

किसी भी कल्याणकारी राज्य की प्रथम आवश्यकता है कि राज्य के प्रत्येक व्यक्ति अर्थात् गांधीवादी विचारधारा के अनुसार सिरे के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित हो। सुशासन की प्राप्ति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति का सर्वांगीण विकास हो। इसके लिए प्रौद्योगिकी अहम भूमिका निभा सकती है।

सुशासन में सबसे बड़ी बाधा है, नागरिक तथा प्रशासन के बीच उपस्थित सूचना अन्तराल एवं पर्याप्त शिकायत निवारण तंत्र की अनुपस्थिति। ई-गवर्नेंस के माध्यम से इस समस्या का न केवल प्रभावी समाधान हो पाया है बल्कि एक स्तर आगे बढ़कर जनता की प्रशासन में भागीदारी बढ़ने से समावेशी, सहभागी तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आधारभूत लोकतंत्र का विकास संभव हुआ है।

एक अन्य उम्मीद जो मानव सभ्यता ने प्रौद्योगिकी से की है, वह है सामाजिक, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त असमानता की समाप्ति। वैश्विक स्तर पर विद्यमान इस समस्या ने मानव सभ्यता को विभिन्न वर्गों में विभक्त कर सहअस्तित्व की भावना पर कड़ा प्रहार किया है।

प्रौद्योगिकी के माध्यम से भी इस समस्या का समाधान संभव है, क्योंकि प्रत्येक तकनीकी अपने आप में मूल्य निरपेक्ष होती है। वह व्यक्ति, क्षेत्र, धर्म, लिंग आदि पूर्वाग्रहों से रहित होकर ~~पूर्णता से~~ वस्तुनिष्ठता ~~एवं~~ से समान सुविधा उपलब्ध कराती है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से वर्ण, धर्म, जाति आदि सामाजिक बुराईयों की समाप्ति संभव है, साथ ही यह क्षेत्रीय समानता की स्थापना में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि अवसरों की समता तथा संसाधनों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का अनुकूलतम दोहन संभव है।

एक बड़ी समस्या जिसका समाधान मानव सदियों से तलाशने का प्रयास कर रहा था, व उसे प्रौद्योगिकी ने न केवल तलाशा बल्कि मानव की सोच से परे जाकर उसे अधिक विकसित एवं प्रभावी रूप प्रदान किया। सदियों से मानव की ६ आकांक्षा रही है कि वैश्विक स्तर पर एक जुड़ाव हो, ताकि समस्याओं का समाधान मिलकर तलाशा जाये, एक-दूसरे के मूल्यों, त्यौहारों, विचारों आदि को ग्रहण किया जा सके।

प्रौद्योगिकी ने प्राचीन अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' को नवीन रूप 'ग्लोबल विलेज' में स्थापित किया है, जहाँ क्षण भर में वैश्विक सूचनाओं की प्राप्ति संभव है। किसी भी घटना एवं चुनौती से निपटने के सामूहिक प्रयास किये जा सकते है अर्थात् प्रौद्योगिकी ने वास्तविक सह अस्तित्व की भावना को पुनः जीवित किया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पर्यावरण के निरन्तर होते क्षरण ने मानव को हमेशा से ही इस संदर्भ में विचार करने के लिए बाध्य किया है। चूंकि विकास मानव सभ्यता की एक महती अनिवार्यता है, ऐसे में पर्यावरण के साथ संतुलन स्थापित करना चुनौती बन रहा था, प्रौद्योगिकी ने इस चुनौती का भी समाधान किया।

प्रदूषण के सबसे बड़े कारक 'जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा' को प्रौद्योगिकी ने स्वच्छ एवं नव्यकरणीय ऊर्जा में रूपान्तरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त ऑप्टिकल फाइबर, डिजिटल तकनीकी के द्वारा तीव्र एवं ऊर्जादक्ष सूचना स्थानान्तरण ने पर्यावरण संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो डीजल आदि के माध्यम से इस पर्यावरण निम्नीकरण की समस्या का समाधान किया जा रहा है।

प्राकृतिक आपदाएँ मानव सभ्यता की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सबसे बड़ी चुनौती थी। आपदाओं के कारण पूर्व में भी कई सभ्यताएँ नष्ट हुई है। ऐसे में आपदाओं के प्रभाव को कम करते हुये जीवन एवं संसाधनों की रक्षा में प्रौद्योगिकी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आपदाओं की पूर्व एवं तीव्र सूचना के द्वारा जनता को पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया जा सकता है। आपदाओं के प्रभावों में भी कमी की जा सकती है, साथ ही आपदा के पश्चात् अनुक्रिया एवं शमन में भी प्रौद्योगिकी महत्त्वपूर्ण सहायक के रूप में उपस्थित होती है।

किसी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है - बाह्य कारकों से राष्ट्र की जनता की सुरक्षा करना। चूंकि भारत जैसे राष्ट्र जहाँ पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद हमेशा से ही एक बड़ी चुनौती के रूप में रहा है, वहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। चूंकि राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता राष्ट्र का प्रथम दायित्व है। ऐसे में इस दायित्व के सफल निर्वहन में प्रौद्योगिकी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सीमाओं के बेहतर प्रबंधन में लेजर, रडार, थर्मल इमेजिंग आदि का प्रयोग करना, अंतरिक्ष में रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट के द्वारा, मानव रहित विमान (ड्रोन) से निगरानी आदि महत्वपूर्ण कार्य तकनीकी की देन है। इसके अतिरिक्त सैन्य उपकरणों की गुणवत्ता में सुधार भी प्रौद्योगिकी का ही एक लाभ है।

किन्तु इस परिदृश्य का दूसरा भी पहलू है, जो पहले की तुलना में अधिक स्याह है। इसमें प्रौद्योगिकी का वह रूप सामने आता है, जो मानव सभ्यता को समाप्त करने के मकसद से नवीन प्रपंच रचता है। इनमें डाटा चोरी द्वारा निजता का हनन, परमाणु हथियारों की अंधी प्रतिस्पर्धा, साइबर क्राइम, आदि दुरुपयोग उभरकर सामने आये हैं। इस पहलू के संदर्भ में ~~मैथिलीशरण गुप्त जी ने~~ कवि रामधारी सिंह दिनकर ने पूर्व में भी चेताया है -

"सावधान मनुष्य यदि विज्ञान है तलवार
तो तज दे इसे मोह स्मृति के पार।"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तकनीकी का यह दुरुपयोग इसके द्वारा उत्पन्न अवसरों को अभिशाप में बदल रहा है। क्षेत्रीय विषमता में कमी की बजाय निरन्तर वृद्धि हो रही है। आतंकवादियों के हाथ में पड़कर प्रौद्योगिकी मूल्य निरपेक्षता को त्यागकर नकारात्मकता को धारण करने के लिए मजबूर है।

निरन्तर बढ़ती सैन्य प्रतिस्पर्धा ने मानव जीवन को एक अजीब दुश्चक्र में फँसा दिया है, जहाँ से निकलने की कोशिश में निरन्तर अधिक फंसता जाता है। प्रौद्योगिकी ने बढ़ते शहरीकरण की समस्याओं में अधिक जटिलता ला दी है। मानवीय संवेदना का स्थान तकनीकी नीरसता ने ले लिया है। 'ब्लू व्हेल' जैसे गेम्स के माध्यम से बालमन को दुष्प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है।

सोशल मीडिया ने मनुष्य को आभासी दुनिया में ~~अ~~ पहुँचा दिया है। जहाँ ~~5000~~ द पाँच हजार दोस्तों का वह दंभ भरता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किन्तु वास्तविक जीवन में तन्हाईयो का शिकार है। ~~इसी~~ तकनीकी से सम्पन्न समाज तथा विश्व में एक प्रकार की असमानता की खाई बन गई है, जो निरन्तर चौड़ी जा रही है-

'आज ~~विश्व~~ मानव मंगल पर पहुंच गया है किन्तु अफ्रीका के जंगलों में जनजातियाँ मुख्यधारा में आने से वंचित है। तकनीकी के माध्यम से सम्पोषणीय विकास की कल्पना की जाती है किन्तु ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियाँ सामने खड़ी है। शांति एवं समरसता की बात की जा रही है, जबकि विश्व सबसे बड़े शरणार्थी संकट से जूझ रहा है।"

अतः आवश्यकता है कि इस असमानता को दूर करने का प्रयास किया जाये। सभी राष्ट्र मिलकर मानव सभ्यता के कल्याण के लिए कार्य करे, न कि "सिर्फ अपने राष्ट्र को 'ग्रेट अगेन' बनाने पर बल दे। चूंकि प्रौद्योगिकी में वो सभी विशेषताएं उपस्थित है, जो सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक हो सकती

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है। अतः आवश्यकता सिर्फ इस बात की है कि उसका विस्तार सभी जगह हो।

मानव सभ्यता वर्षों से निरन्तर अनेक बाधाओं का सामना करते हुये निरन्तर विकास पथ पर अग्रसर रही है। ऐसे में यह तो निश्चित है कि मानव सभ्यता प्रौद्योगिकी का उपयोग अपने विकास में करेगी। प्रौद्योगिकी के विकास से ही वैदिक विचार, जिसमें सम्पूर्ण मानवता का कल्याण निहित है, संभव हो सकेगा।

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुखभाग्भवेत।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–B / SECTION–B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।
   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.
2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।
   Ideals in politics are required as well as neglected.
3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।
   Equals should be treated equally and unequals unequally.
4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।
   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए
और असमान के साथ असमान

एक बार एक राजा के मन में कौतुहलवश एक खरगोश तथा कछुए की दौड़ आयोजित करने की इच्छा ने जन्म लिया। फिर क्या था सारे शहर में इसकी चर्चा होने लगी। दौड़ वाले दिन सभी को उम्मीद थी कि आज खरगोश अपनी ऐतिहासिक गलती न दोहराते हुये जीतेगा, और हुआ भी ऐसा ही। किन्तु राजा के एक मंत्री ने दोनो की असमान प्रकृति को देखते हुये कछुए को पानी में तथा खरगोश को जमीन पर दौड़ने की व्यवस्था

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

की। लोग अचरज में थे कि यह असमानता किस प्रकार एक सही निर्णय लाने में सफल होगी। दौड़ का नतीजा आया, दोनो ने अपनी-अपनी ~~प्रकृति~~ में विशिष्टता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दोनो समान समय में दूरी तय करने में सफल रहे। भले ही यह कहानी एक काल्पनिकता से युक्त हो किन्तु इसमें निहित संदेश वास्तविक है - " समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए तथा असमान के साथ असमान।"

~~यह विचार मुझे प्रकृति~~

यह विचार प्रकृति की अपनी विशेषता एवं विविधता को पुष्ट करता है। प्रत्येक व्यक्ति, समाज, राष्ट्र की भी इसी तरह कुछ निहित विशिष्टताएं होती है, जो उन्हे आपसी प्रतिस्पर्धा में एक-दूसरे की विशिष्टताओं को महत्व देने पर बल देती है। ये विशिष्टताएँ ही उन्हे एक-दूसरे से अलग करती है, अतः इन्हे ही अगर महत्व नही दिया जायेगा, तो एक भेदभाव की स्थिति उत्पन्न होगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रकृति ने स्त्री को अधिक भावनात्मक एवं कोमल हृदय से युक्त किया, जबकि पुरुष को शारीरिक मजबूत प्रदान की, क्योंकि दोनो का कार्य क्षेत्र विशिष्ट है किन्तु सामाजिक विधान, जिसने पितृसत्तात्मकता को जन्म दिया उसने इन विशिष्टताओं को महत्त्व देने की बजाय नकार दिया और नारी को पुरुष के अधीन बना दिया, जबकि होना यह चाहिए था कि दोनो समान रूप से विशिष्ट है, अतः समान महत्व है।

वर्षों तक पराधीन तथा शोषण का शिकार रही, महिला ने इस सामाजिक विधान का विरोध किया। अनेक यंत्रणाएँ सहने के बाद कुछ मात्रा में अधिकार प्राप्त हुये। इससे आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई, तो अन्य क्षेत्रों में समान अधिकारो का मुद्दा उठाया। फलतः एक वस्तु मान ली गई स्त्री जाति को समानता का दर्जा प्राप्त हुआ। यह प्रकृति की विशिष्टता की विजय थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

चूंकि अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आखिर यह असमान के साथ असमान व्यवहार क्यो आवश्यक है। इसके लिए हमें ऐतिहासिक पन्नों को पलटने की आवश्यकता है। जिन सामाजिक विधानों ने शूद्र, तथा महिलाओ को मानव मानने से ही इन्कार कर दिया हो, ऐसे विधानो ने उन्हें अवसरों से वंचित किया। अवसरों की यही वंचितता अधिकारों की वंचना में परिवर्तित हो गई।

ऐसे में एक हजारों वर्षों की वंचना ने जिसे आगे बढ़ने का मौका प्रदान न किया हो, वह व्यक्ति पहले से मौकों से लाभान्वित के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता। अतः आवश्यकता है कि उन्हे बाहरी सहायता प्रदान की जाये, जो दौड़ में सफल होने के लिए आवश्यक है। इस असमानता को भी समानता स्थापित करने वाला माना जाता है, क्योंकि सहायता उसे वर्षो से वंचित अवसरों की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

आधुनिक संदर्भ में असमान के साथ असमान व्यवहार का संदर्भ बहुत अधिक विस्तृत है, क्योंकि वर्तमान विश्व पूंजीवादी व्यवस्था से उत्पन्न चुनौतियों को झेल रहा है. ऐसे में प्रत्येक कल्याणकारी राज्य का पहला कर्त्तव्य है कि सभी को अवसरों की समानता उपलब्ध कराये।

अवसरों की यह समान उपलब्धता अनेक प्रकार से दिखाई देती है। सामाजिक स्तर पर यह संवैधानिक उपबंधों के माध्यम से सकारात्मक कार्यवाही के रूप में उपस्थित है. जिसमें महिलाओं, SC, ST, OBC को विशिष्ट प्रावधान उपलब्ध कराये गये है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वृद्धों तथा बच्चों को विशिष्ट संरक्षण प्रदान किया गया। क्योंकि यह विशिष्ट संरक्षण उनकी विशिष्ट स्थिति की आवश्यकता थी. और एक कल्याणकारी राज्य की अनिवार्यता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आर्थिक स्तर पर बड़ी कंपनियों के आघातों तथा प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए msme को विशेष सहायता प्रदान की जाती है। चूंकि उनकी विशिष्ट प्रकृति इसकी मांग करती है. इसलिए उनका संरक्षण आवश्यक है। इसी तरह कर की व्यवस्था में भी msme पर कम कर आरोपित करना. इसी अवसरों की समान उपलब्धता को संदर्भित करता है।

भारत जैसे राष्ट्र जहाँ आर्थिक विषमता का स्तर उच्च है। शुरुआती 1% नागरिक 60% सम्पत्ति तथा नीचे के 50% नागरिक मात्र 4.67% सम्पत्ति पर स्वामित्व रखते हो, वहाँ एक समान कर की दर एक व्युत्क्रमानुपाती व्यवस्था को दर्शाती, किन्तु सरकार द्वारा अग्रगामी कर व्यवस्था को अपनाते हुये निम्न आर्थ वर्ग को सुरक्षा प्रदान की।

इसी तरह भूमि वितरण की असमानता को देखते हुये लघु एवं मध्यम किसानों को सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का लाभ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रदान किया जाता है। क्योंकि इस व्यवस्था में वहीं प्रतिस्पर्धी सक्षम हो सकेगा, जो अधिक मात्रा में धन खर्च करे। ऐसे में असमान को कुछ अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराकर प्रतिस्पर्धा में टिके रहने को सुनिश्चित किया जाता है।

चूंकि प्रत्येक राज्य में कुछ स्थानों पर क्षेत्रीय समस्याओं के कारण कुछ संसाधनों का अभाव होने से विकास के पर्याप्त साधन उपस्थित नहीं हो पाते। ऐसे में समान व्यवहार विकसित एवं पिछड़े के बीच के अन्तर को बढ़ा देगा। अतः आवश्यकता है कि उसको कुछ बाहरी संसाधन उपलब्ध कराये जाये ताकि अपने संसाधनों के साथ इन बाहरी संसाधनों का प्रयोग कर सके।

भारत में पूर्वोत्तर तथा पहाड़ी राज्यों को विशिष्ट श्रेणी राज्य का दर्जा दिया गया है, क्योंकि इनके विकास के लिए पर्याप्त संसाधनों की अनुपलब्धता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

असमान के साथ असमान व्यवहार उसे वह मंच प्रदान करता है, जिसकी प्राप्ति उसके वंचन के कारण संभव नहीं थी। उसे विशेष अधिकार के द्वारा वंचना को दूर किया जा सका। यह विशेष अधिकार न केवल तात्कालिक रूप में बल्कि दीर्घकालिक रूप में लाभदायक होता है।

तात्कालिक स्तर पर सामाजिक बाधाओं, आर्थिक बाधाओं तथा भौगोलिक बाधाओं के प्रभावों को कम कर, समानता के मंच पर पहुँचाता है। मंच पर पहुँचकर उसमें उन आवश्यक गुणों का विकास किया जाता है, जिससे स्तर में आमूलचूल परिवर्तन आ जाता है।

उदाहरण के लिए स्टार्टअप इंडिया के माध्यम से नवीन उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया गया किन्तु कुछ विशिष्ट वर्गों को स्टैण्डअप, मुद्रा योजना के माध्यम से अतिरिक्त सहायता प्रदान की, ताकि आर्थिक स्तर पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

व्यापार वंचना को नष्ट किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी यह सिद्धांत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहाँ विकसित राष्ट्रों द्वारा विकासशील तथा अविकसित राष्ट्रों को व्यापार के स्तर पर कुछ राहत प्रदान की जाती है, ताकि वहाँ के व्यापारी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सके। इस तरह की प्रतिस्पर्धा में विकासशील राष्ट्र के व्यापारियों को प्रोत्साहन मिलता है। फलस्वरूप क्षेत्रीय तथा आर्थिक वंचना समाप्त होती है।

इसी तरह पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में 'साझा किन्तु विभेदित उत्तरदायित्व' का सिद्धांत अपनाया जाता है, क्योंकि पर्यावरण प्रदूषण में सर्वाधिक ~~प्रभाव~~ भूमिका विकसित राष्ट्रों की रही है। अतः उन्हें आगे आकर अपनी अधिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

असमान को संरक्षण प्रदान करने की यह नीति वास्तविक रूप में सामाजिक समानता को सामाजिक समता में स्थानान्तरित करती है। उदाहरण के लिए किसी कक्षा के कुछ विद्यार्थी जल्दी ग्रहण करने की क्षमता रखते है, तो कुछ के ग्रहण करने की क्षमता कम होती है। ऐसे में शिक्षक का कर्त्तव्य है कि सबसे कम ग्रहण क्षमता को महत्व प्रदान करे।

समान के साथ समान व्यवहार की प्रवृत्ति प्रायः असमान के साथ असमान व्यवहार का अगला रूप है, क्योंकि वंचनाओं के स्तर को दूर करने के पश्चात् ही एक ऐसा परिवेश तैयार किया जा सकता है, जहाँ समानता की स्थिति उपस्थित हो। भारत के संविधान निर्माताओं ने दूर दृष्टि का परिचय देते हुये इसी सिद्धांत को संविधान में सम्मिलित किया ताकि सभी को अवसरों की समान उपलब्धता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हो सके।

सारांशतः स्पष्ट है कि किसी समाज, राष्ट्र तथा वैश्विक स्तर पर उपस्थित असमानताओं को पहचाना जाये, तत्पश्चात, उनसे प्रभावितों की पहचान कर, उन्हें विशिष्ट सहायता प्रदान की जाये। इससे धीरे-धीरे वंचनाओं की समाप्ति होगी और एक समावेशी विश्व का निर्माण होगा। ~~संयुक्त~~ संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य इसी सिद्धांत पर निर्भर है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation